केवल ह्यूमनिस्ट पाटी ही क्यों? (अन्य क्यों नहीं)

- एक सशक्त मगर पथ भ्रष्ट दल में सम्मिलित होने से बेहतर है एक उदीयमान परन्तु पथ की ओर अग्रसर होती पार्टी को चुनना। क्या एक बूढ़े, घुमावदार बरगद को चाहकर भी सीधा किया जा सकता है? आपके गंतव्य तक पहुँचाने वाली ट्रेन को छोड़ क्या आप ऐसी ट्रेन को चुनना पसंद करेंगे जो सुविधाएँ तो जुटाती है पर आपको गंतव्य से कहीं दूर ले जाती है?
- क्योंकि मा. पा. ऐसी पार्टी है जिसका दामन इतिहास की किसी भी प्रकार की हिंसा तथा भ्रष्टाचार से बेदाग़ है।
- क्योंकि तुच्छ व किसी क्षेत्र विशेष के हितों से दूर मा. पा. मानवाधिकारियों व हितों में विश्वास रखती है।
- क्योंकि मा. पा. में उन सदस्यों को सम्मान मिलता है जो औरों के हित के लिए प्रयत्नशील है ना कि वे जो भ्रष्ट, हिंसक एवं स्वार्थी हैं।
- क्योंकि मा. पा. में सम्मिलित होने का कारण है इसका वर्तमान स्वरूप तथा वह स्वरूप जो कि भविष्य में हो सकता है तो ऐसी पार्टी क्यों चुनें जो वह बनने का दिखावा करती है जो वह कभी बन ही नहीं सकती?
- क्योंकि मा. पा. उन दलों में से नहीं जो प्रतिदिन नए तथा अनंत विशेषाधिकारों, विवादों, भ्रष्ट विचारों को भोजन के समान परोसते हैं अपितु उनमें से है जो निःस्वार्थ, व्यावहारिक व सत्यता परिपूर्ण आदर्श जनता के समक्ष रखते हैं।
- संक्षेप में कहा जाए तो मा. पा. एक बेहतरीन, नवीनतम अवसर प्रदान करती है जबकि अन्य दल या तो नाक़ामयाब हो चुके हैं या अपने पतन की ओर निरंतर अग्रसर हैं।
- क्योंकि अन्य कोई भी दल आदर्शों, प्रबंधन, उद्देश्यों तथा बेहतरीन संचालन का अद्वितीय मेल प्रस्तुत नहीं करता।
- क्योंकि बेहतर है एक ऐसी पार्टी चुनना जो रूढ़िवादी परंपराओं से दूर एक नया, एक ऐसा प्रारूप व स्वरूप देती है जो एक दिन हर पार्टी का होगा।
- क्योंकि मा. पा. के कार्यालय का उसूल वरिष्ठता के आधार पर ही तरक्की देना नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का आदर करना है। केवल इसी दल में व्यवस्थित चुनावों के आधार पर अधिकारियों का चुनाव होता है तथा योग्यतानुसार उन्हें कार्यभार सौंपा जाता है।
- क्योंकि दूसरे दलों की तरह मा. पा. झूठे, अवसरवादी, द्विअर्थी टिप्पणियों, समझौतों व वादों में विश्वास नहीं रखती अपितु दिए गए वचनों को पूरा करने का अथक प्रयास करती है।
- क्योंकि दूसरी पार्टियों के या तो आदर्श नहीं हैं और यदि हैं तो इसे लेकर उनके सदस्य सदैव असमंजस की स्थिति में रहते हैं अतः उनकी कथनी व करनी में बड़ा अंतर होता है।
- केवल मा. पा. ही अहिंसा को अपनी कार्य–प्रणाली व आदर्शों का (सशक्त) स्तंभ बनाती है।
- क्योंकि अन्य सभी दल अव्यावहारिक व रूढ़िवादी आदर्शों के बूते आर्थिक विकास का दावा करते हैं। (पूँजीवादी, साम्यवादी, गाँधीवादी, समाजवादी आदि)
- क्योंकि मा. पा. ऐसी एकमात्र पार्टी है जो समाज व व्यक्ति दोनों में एक साथ परिवर्तन का प्रस्ताव देती है। जबकि अन्य पार्टी हिंसा के माध्यम से समाज को स्वर्ग बनाने के झूठे दावे करती हैं, बिना कोई व्यक्तिगत व सामाजिक बदलाव के।
- क्योंकि केवल मा. पा. ही है जो साधन को साध्य से अहम मानती है, इस पार्टी के लिए साध्य ही सब कुछ नहीं है।
- क्योंकि अन्य दल राष्ट्रवाद की विकृत विचारधारा, पहचान, धार्मिक धरोहर, प्रगति आदि को मनुष्य से बड़ा दर्जा देते हैं जबकि मा. पा. के लिए "मनुष्य से बढ़कर कुछ नहीं तथा एक मनुष्य दूसरे से निम्नतर नहीं"।

राजनैतिक परिपेक्ष में हमारा वर्गीकरण हम उस लेबल से बचने की कोशिश करते हैं जो अर्थ को उलझा दे। वामपंथी (लेफ़्ट), "राइट", "समाजवाद", "मार्क्सवाद" इन शब्दों का अर्थ प्रत्येक व्यक्ति के लिए भिन्न है, ये सिद्धांतों में कुछ और व व्यवहार में कुछ और अर्थ रखकर विरोधाभास की स्थिति खड़ी करते हैं। इसलिए हम किसी रूढ़िवादी विचारधारा में स्वयं को वर्गीकृत नहीं करते।

हालांकि लोगों के पूछने पर हम (कार्य–प्रणाली के अनुसार) स्वयं को अहिंसक, लोकतांत्रिक, सहभागी, सहकारी, अभेदकारी, एकाधिपत्य के विरोधी, जनमत–संग्रह समर्थक, सलाकार, उदारवादी जैसे शब्दों से परिभाषित करते हैं।

संक्षेप में, हम कुछ अलग व नये हैं :
हम मानवतावादी हैं।